प्रेस विज्ञप्ति

किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में Virus Research & Diagnostic Lab का उद्घाटन आज दिनांक 9 दिसंबर, 2017 को सुश्री वी0 हेकाली झिमोम, सचिव चिकित्सा स्वास्थ एवं परिवार कल्याण विभाग, उ0प्र0 सरकार के करकमलो द्वारा किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि चिकित्सा विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट जी उपस्थित रहे।

वायरस लैबोरेटरी को निम्न उद्देश्यों के साथ स्थापित किया गया है–

1. वायरल डायग्नोस्टिक के क्षेत्र में स्टेट ऑफ आर्ट लैबोरेटरी को उपलब्ध कराना।
2. अज्ञात और विशिष्ट वायरसों और उभरते एवं पुनः उभरते सूक्ष्म जीवों (माइक्रो ऑर्गनिज्म) की पहचान की क्षमता का विकास करना।
3. उ0प्र0 मे प्रमुखता से होने वाली मौसमी बीमारियों एवं महामारी के प्रकोप के दौरान लैबोरेटरी सहयोग प्रदान करना।
4. हेल्थ प्रोफेशनल एवं लैबोरेटरी के कर्मचारियों को लगातार शैक्षणिक कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण प्रदान करना।
5. विभिन्न संक्रामक बीमारियों के एपिडेमियोलॉजी और प्रसार का राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय डाटा बेस तैयार करना।
6. समय समय पर जांचो की गुणवत्ता के मुल्यांकन हेतु एक बाहरी गुणवत्ता मूल्यांकन संगठन से मूल्यांकन कराना।
7. वायरल संक्रामक रोग सर्विलांस के लिए राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग करना।
8. वयारोलॉजी के क्षेत्र में शोध कार्यो को बढ़ावा देना।

प्रो0 अमिता जैन विभागाध्यक्ष, माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा बताया गया कि उपरोक्त लैब की स्थापना के लिए भारत सरकार के स्वास्थ शोध विभाग द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की गई है तथा वर्ष 2019 के पश्चात इस लैब को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सहयोग प्रदान किया जायेगा। वायरल इंफेक्शन जैसे की डेंगू, इंसफेलाइटिस, स्वाइन फ्लू आदि एक समान्य बीमारी है, किंतु जैसा की हमने पिछले कुछ वर्षो में देखा है कि इन बीमारियों की वजह से कई जाने भी गई है। यह बहुत जरूरी है कि इन प्रकार बीमारियों का प्रबंधन और इनसे बचा जाए तथा ज्यादातर ऐसी बीमारियों से बचाव और इनका उपचार किया जा सकता है। हेपेटाइटिस–बी, हेपेटाइटिस–सी तथा हरपीज जैसे विभिन्न वायरल रोगो के उपचार के लिए एंटी वायरल ड्रग उपलब्ध है, तब वायरल इंफेक्शन की जांच इन बीमारियों के उपचार केलए बहुत ही जरूरी है। वायरल बीमारियों के प्रबंधन से ही इन बीमारियों के बोझ आदि का आकलन किया जा सकता है। इस प्रकार का आकलन लैब नेटवर्क में उपलब्ध है। उपरोक्त लैब द्वारा 30 प्रकार के वायरल संक्रमण को अत्याधुनिक उपकरणों की मदद से पहचाना जा सकता है।

कार्यक्रम में चिकित्सा विश्वविद्यालय के मॉ0 कुलपति प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट जी ने कहा कि चिकित्सा विश्वविद्यालय का वायारोलॉजी लैब देश के सबसे पुराने वायरोलॉजी लैब मे से एक है। लैब में प्रति वर्ष स्वाइन फ्लू, इन्सेफेलाइटिस और डेंगू जैसी, बीमारियों के 40,000 से ज्यादा जांचे की जाती है। वायरोलॅजी, ट्यूबकोलोशिस लैबोरेटरी आदि विभिन्न

माइक्रोबायोलॉजीकल जांचो में विभाग द्वारा बहुत अच्छा कार्य किया जाता है। ये विभाग चिकित्सा विश्वविद्यालय के क्राउन में लगा एक हिरा है। विभाग द्वारा स्वाइन फ्लू की 300 जांचे प्रत्येक दिन किया गया है। विभाग की लैब को एन0ए0बी0एल0 एक्रीडेशन सर्टिफिकेट जल्द मिल जायेगा जिससे यहां की जांचो को अंतराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल जायेगी। विभाग द्वारा 10 पेटेण्ट फाइल किया गया है जिसमें दो मिल चुका है।

कार्यक्रम में प्रो0 आर0के0 गर्ग ने कहा कि उपरोक्त लैबरोटरी की स्थापना से विभाग में शोध कार्यो को बढावा मिलेगा।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुश्री वी0 हेकाली झिमोम ने कहा कि चिकित्सा स्वास्थ एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा चिकित्सकों एवं टेक्निकल स्टॉफ की ट्रेनिंग के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाये जा रहे जिससे संक्रामक रोगो का उपचार और बचाव किया जा सके। चिकित्सा विश्वविद्यालय में इस लैब की स्थापना से पुरे प्रदेश को लाभ मिलेगा। इस लैब की स्थापना से संक्रामक रोगो से होने वाली मृत्यु दर को कम करने में सहायता मिलेग क्यूकि इसके द्वारा 30 प्रकार के वायरसो को पहचाना जा सकेगा जिससे मरीजो को सही उपचार देने में मदद मिलेगी। चिकित्सा विश्वविद्यालय के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में स्टेट आर्ट लैब की स्थापना की गई है वायरोलॉजी के क्षेत्र में शोध कार्यो को बढ़ावा मिलेगा। ह्यूमन पैथेजेनिक वायरस का शोध एवं पहचान की जा सकेगी।

कार्यक्रम में प्रो0 मधुमती गोयल, अधिष्ठाता नर्सिंग संकाय, प्रो0 यु0सी0 चतुर्वेदी, प्रो0 विमला वेंकटेश, डॉ0 शीतल वर्मा, डॉ0 परूल जैन सहित विभिाग के विभिन्न संकाय सदस्य एवं चिकित्सा विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के संकाय सदस्य, कर्मचारी, शोधार्थी एवं स्टूडेण्ट उपस्थित रहे।

प्रो0 नरसिंह वर्मा	प्रो0 विभा सिंह	डॉ0 सुधीर सिंह
संकाय मीडिया प्रभारी	संकाय मीडिया प्रभारी	सह–संकाय मीडिया प्रभारी
के0जी0एम0यू0	के0जी0एम0यू0	के0जी0एम0यू0